प्रश्न बैंक

विषय-लेखाशास्त्र

कक्षा 12 वीं

वर्ष : 2025–2026

त्रैमासिक परीक्षा के लिए

लोक शिक्षण संचालनालय,मध्यप्रदेश

नोट - विषय शिक्षक त्रैमासिक परीक्षा का प्रश्न पत्र निर्माण करते समय दिए गए प्रश्नों में से अपनी स्वेच्छा अनुसार विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों का चयन करें| विषय शिक्षक यह भी आवश्यक रूप से ध्यान रखें कि एक ही अध्याय के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का चयन करते समय दो प्रश्न समान लर्निंग आउटकम वाले ना हो|

त्रैमासिक परीक्षा2-2025 6
ब्लू प्रिंट

कक्षा 12

विषय- लेखाशास्त्र

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

क्र.	अध्याय	आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न					अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			OT	F	M	T/F	Ow	2 अंक	3 अंक	4 अंक	
भाग-1											
1	1. साझेदारी लेखांकन – आधारभूत अवधारणाएँ	18	1	1	2	1	2	2	1	1	4
2	2. साझेदारी फर्म का पुनर्गठन :साझेदार का प्रवेश	18	1	1	2	1	2	2	1	1	4
3	3.साझेदार का पुनर्गठन :साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु	12	1	1	-	1	1	2	-	1	3
4	4.साझेदारी फर्म का विघटन	8	1	1	-	1	-	1	1	-	2
भाग-2											
5	1. अंशपूंजी के लिए लेखांकन	24	2	2	3	2	2	3	1	1	5
	कुल	**80**	**6**	**6**	**7**	**6**	**7**	**10**	**4**	**4**	**18+5**

नोट-

- **40% वस्तुनिष्ठ प्रश्न, 40% विषयपरक प्रश्न, 20% विश्लेषणात्मक प्रश्न होंगे।**
- **40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न , 15 % कठिन प्रश्न**
- **प्रश्न क्रमांक 01 से 05 तक 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 01 अंक निर्धारित है।**
  प्रश्न क्रमांक 01 - सही विकल्प 06
  प्रश्न क्रमांक 02 - रिक्त स्थान 06
  प्रश्न क्रमांक 03 - सत्य असत्य 06
  प्रश्न क्रमांक 04 - सही जोड़ी 07
  प्रश्न क्रमांक 05 - एक वाक्य में उत्तर 07
- **प्रश्न क्रमांक 06 से 15 तक कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 02 अंक निर्धारित हैं।**
- **प्रश्न क्रमांक 16 से 19 तक कुल 04 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 03 अंक निर्धारित हैं।**
- **प्रश्न क्रमांक 20 से 23 तक कुल 04 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न पर 04 अंक निर्धारित हैं।**

Note :- अंशों का हरण का अध्यापनअगस्त तृतीय सप्ताह में कराया जाना है अतः त्रेमासिक परीक्षा में अंश निर्गमन तक की पाठ्यवस्तु का समावेश किया गया है ।

भाग 1 -इकाई-1
साझेदारी लेखांकन- आधारभूत अवधारणायें

सही विकल्प चुनिये-

(I) साझेदारी में कम से कम होने चाहिये -
(अ) तीन व्यक्ति (ब) दो व्यक्ति
(स) सात व्यक्ति (द) दस व्यक्ति

(II) भारतीय साझेदारी अधिनियम बनाया गया है -
(अ) 1947 में (ब) 1956 में
(स) 1951 में (द) 1932 में

(III) यदि साझेदार के आहरण की तिथियाँ नहीं दी गई हो तो आहरण पर ब्याज की गणना की अवधि होती है-
(अ) 6 माह (ब) $5\frac{1}{2}$माह
(स) $6\frac{1}{2}$माह (द) 12 माह

(IV) आहरण पर ब्याज है-
(अ) फर्म की हानि (ब) साझेदारों की आय
(स) फर्म की आय (द) उपर्युक्त में कोई नहीं

(V) जब कुल निकाली गई राशि दी जाती है लेकिन निकासी की तारीखें निर्दिष्ट नहीं होती हैं, तो यह माना जाता है कि राशि _____
(अ) हर महीने निकाली गई (ब) साझेदार के फर्म छोड़ने तक समान रूप से निकाली गई
(स)हर दिन निकाली गई (द) पूरे वर्ष समान रूप से निकाली गई

(VI) लाभ-हानि विनियोग खाते का प्रारंभिक शेष:
(अ) पूंजी शेष (ब) लाभ
(स) सकल लाभ (द) शुद्ध लाभ

(VII) साझेदार के आहरण पर ब्याज को डेबिट किया जाएगा:
(अ) ब्याज खाता (ब) साझेदार का चालू खाता
(स)लाभ-हानि विनियोग खाता (द) साझेदार का पूंजी खाता

(VIII) अंकित हर महीने के आखिरी दिन ₹10,000 रुपये निकालता है। अगर ब्याज की दर 5% प्रति वर्ष है, तो निकासी पर कुल ब्याज कितना होगा:
(अ) ₹2550 (ब) ₹2750
(स) ₹2300 (द) ₹2400

(IX) किसी भी प्रावधान की अनुपस्थिति में पूंजी पर ब्याज की गणना किस अवधि के लिए की जाएगी-
(अ) 6 महीने (ब) 1 वर्ष
(स) 1 महीने (द) कोई ब्याज नहीं

(X) साझेदारी व्यवसाय में, साझेदार की पूंजी पर ब्याज:
(अ) लाभ हानि विनियोग खाता में डेबिट किया जाता है
(ब) लाभ हानि विनियोग खाता में क्रेडिट किया जाता है
(स) लाभ हानि खाता में डेबिट किया जाता है
(द) लाभ हानि खाता में क्रेडिट किया जाता है

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

(I) साझेदारी उन व्यक्तियों के बीच एक .....है, जिन्होनें किसी व्यवसाय के लाभों को बाँटने का ठहराव किया है।

(II) साझेदारी के लिए..... का विभाजन अनिवार्य नहीं है।

(III) समझौते के अभाव में साझेदार द्वारा लाई गई अतिरिक्त पूँजी पर ब्याज ..... की दर से देय होता है ।

(IV) साझेदारी व्यवसाय में भारतीय साझेदारी अधिनियम .....लागू होता है।
(V) साझेदारों के मध्य लाभ के विभाजन के लिए ..... खाता बनाया जाता है।
(VI) साझेदारी का जन्म ..... से होता है।
(VII) सामान्यतः साझेदारी व्यवसाय में साझेदारों का दयित्व ..... होता है।

सही जोड़ियाँ बनाइये –

	'अ'	'ब'
(I)	साझेदार सामूहिक रूप में	(अ) स्थिर पूँजी पद्धति
(II)	पूँजी खाते का सदैव जमा शेष	(ब) परिवर्तन शील पूँजी पद्धति
(III)	साझेदार का चालू खाता की प्रकृति	(स) फर्म
(IV)	पूँजी खाते का कभी नामे कभी जमा शेष	(द) व्यक्तिगत खाता
(V)	लाभ हानि नियोजन खाता की प्रकृति	(ई) संयुक्त तथा पृथक दोनों प्रकार का होता है
(VI)	साझेदारों के चालू खाते में लेखा	(फ) एजेन्ट होता है
(VII)	प्रत्येक साझेदार का दायित्व	(ज) नाम मात्र का खाता
(VIII)	प्रत्येक साझेदार फर्म का	(झ) साझेदारों के वेतन का

सत्य / असत्य में उत्तर लिखिए –

(I) साझेदारी में पूँजी लगाना अनिवार्य शर्त होती है।
(II) अवयस्क को फर्म के लाभों में शामिल किया जा सकता हैं।
(III) लाभों को बाँटना साझेदारी में अनिवार्य नहीं हैं।
(IV) लाभ-हानि नियोजन खाता साझेदारों की लाभ-हानि की अन्तिम राशि का हिसाब रखने के लिये बनाया जाता है।
(V) साझेदारों के आहरण पर ब्याज का लेखा रोकड़ खातें में किया जाता है।

एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) साझेदारी संलेख की अनुपस्थिति में किस अधिनियम के प्रावधान लागू होते है?
(II) फर्म द्वारा साझेदारों की पूँजी पर ब्याज कब दिया जा सकता है?
(III) फर्म में कौन साझेदार हो सकता है ?
(IV) फर्म के व्यवसाय के संचालन में कौन भाग ले सकता है ?
(V) xतथा y बिना समझौते के साझेदार हैं, y द्वारा फर्म को ₹18000 का ऋण दिया जाता है। y को किस दर से ऋण पर ब्याज प्राप्त होगा।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. साझेदार किसे कहते हैं?
2. साझेदारी का अर्थ लिखिए ।
3. साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार साझेदारी की परिभाषा दीजिये।
4. फर्म से क्या आशय है?
5. साझेदारी संलेख से क्या आशय है।
6. विभाजन योग्य लाभ का आशय बताइए।
7. लाभ-विभाजन अनुपात से क्या तात्पर्य है?
8. लाभ-हानि नियोजन खाता क्या है?
9. भूतकालीन समायोजन से क्या तात्पर्य है?
10. स्थिर पूँजी खाता क्या है?
11. चालू पूँजी खाता क्या है?
12. लाभ की गारंटी क्या है?

लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)

1. साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले कोई 3 नियमों को समझाइए।
2. साझेदार के कोई 3 अधिकार लिखिए ।
3. साझेदार के कोई 3 दायित्व लिखिए ।
4. आहरण पर ब्याज की गणना की विधियों को समझाइए।
5. एक फर्म में साझेदारी संलेख के प्रावधान के अनुसार 10% वार्षिक की दर से आहरण पर ब्याज लिया जाता है। 31 दिसम्बर को बन्द होने वाले वर्ष के दौरान एक साझेदार द्वारा निम्नलिखित राशि आहरित की गई

   May 31 ₹4,000
   June 30 ₹10,000
   July 31 ₹4,000
   Aug. 31 ₹12,000
   Sep. 30 ₹4,000

   आहरण पर ब्याज की गणना करें।
6. A तथा B एक फर्म में साझेदार हैं। A प्रत्येक माह ₹ 1,000 आहरित करता है। साझेदारी संलेख के अनुसार 6% वार्षिक आहरण पर ब्याज प्रभारित किया जाता है। आहरण पर ब्याज के रकम की गणना कीजिए यदि आहरण प्रतिमाह के प्रथम दिन किया जाता है।
7. अ, ब तथा स की फर्म ने वर्ष 2023 में ₹50,000 का लाभ कमाया जिसे साझेदारों में 5:3:2 के अनुपात में विभाजित कर दिया गया, जबकि 2:3:5 के अनुपात में होना चाहिए। सुधार हेतु प्रविष्टि दीजिए।
8. 1 जनवरी 2023 को 'अ' और 'ब' क्रमशः ₹1,00,000 रू. और ₹1,20,000 की पूंजी लगाकर साझेदार है। उसी दिन 'अ' ने फर्म को ₹45,000 का ऋण दिया है। उस वर्ष का लाभ ₹45,000 है। साझेदारी समझौते के अभाव में आप साझेदारों में लाभ का विभाजन किस प्रकार करेंगे? लाभ-हानि विनियोग खाता बनाकर दिखाइए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. लाभ-हानि नियोजन खाता बनाने के कोई 4 उद्देश्य लिखिए ।
2. साझेदारी की कोई 4 विशेषतायें लिखिए ।
3. साझेदारी संलेख में उल्लखित कोई 4 बिन्दु लिखिए ।
4. परिवर्तनशील पूँजी और स्थायी पूँजी में कोई 4 अंतर समझाइए ।
5. xऔर y एक फर्म में साझेदार हैं। 31 मार्च2025 को समाप्त होने वाले वर्ष में उन्होंने ₹1,60,000 लाभ अर्जित किया। साझेदारी समझौते के अनुसार पूंजी पर 6% वार्षिक से ब्याज दिया जाएगा। x की पूंजी पर ब्याज ₹8000 और y की पूंजी पर ब्याज ₹7500 हैं । x को ₹12000 वार्षिक वेतन दिया जाएगा।आहरण पर 5% वार्षिक ब्याज लगाया जाएगा। आहरण पर ब्याज x - ₹1200 तथा y - ₹2000 है। साझेदारों के बीच लाभ-हानि का विभाजन 3:2 में किया जाएगा। साझेदारों में लाभ का वितरण दर्शाइए ।

6. राजेश, सुनील और तरूण साझेदार हैं,जो क्रमशः $\frac{1}{2}:\frac{1}{4}:\frac{1}{4}$ में लाभ बांटते है। उनकी पूंजी क्रमशः ₹1,20,000 ,₹80,000 और ₹60,000 है। साझेदारों को पूंजी पर 5% ब्याज दिया जाता है और आहरण पर 5% ब्याज लिया जाता है तरूण ₹30,000 वार्षिक वेतन पाने का अधिकारी है और सुनील कुल ब्रिकी पर 1% कमीशन पाता है। वर्ष 2024 में फर्म का लाभ, उपरोक्त समायोजनाओं के पूर्व ₹1,15,000 था और कुल विक्रय ₹14,00,000 था। उनके आहरण क्रमशः ₹40,000,₹56,000 और ₹60,000 थे। जिन पर क्रमशः ₹800,₹1000 और ₹1200 ब्याज हुआ। लाभ-हानि वितरण खाता बनाइए।

7. महेश और रमेश 5:3 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए एक फर्म में साझेदार है। उनकी पूंजी क्रमशः ₹3,00,000 एवं ₹2,00,000 थी। साझेदारी संलेख में व्यवस्था है कि-
(अ) पूंजी पर ब्याज 12% वार्षिक की से मिलना चाहिए।
(ब) रमेश को शुद्ध लाभ का 5% कमीशन मिलना चाहिए।
वर्ष का लाभ ₹1,23,000 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

8. A,B और C साझेदार है। उनकी पूंजी 1 अप्रेल 2024 को क्रमशः ₹40,000 , ₹32,000 तथा ₹20,000 है। B को ₹750 मासिक वेतन दिया जाएगा। पूंजी पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है। लाभ में से वेतन तथा ब्याज काटने के बाद शेष लाभ निम्न प्रकार से बाँटा जाएगा-
(1) प्रथम ₹20,000 9:8:3 के अनुपात में।
(2) अगले ₹10,000 4:3:3 के अनुपात में।
(3) शेष लाभ 2:1:1 के अनुपात में।
उपर्युक्त समायोजन के पूर्व फर्म का लाभ ₹46,920 था। लाभ हानि वितरण खाता और साझेदारों के मध्य लाभ-विभाजन दर्शाने वाला विवरण बनाइए।

9. अजित, अमित और अदिल एक फर्म में 5:3:2 में लाभ विभाजित करने वाले साझेदार है। अजित और अदिल को व्यक्तिगत रूप से गारण्टी दी है कि उसका लाभ पूंजी पर 10% वर्षिक ब्याज लगाने के पश्चात ₹22,500 से कम नहीं होगा। साझेदारों की पूंजी क्रमशः ₹1,20,000 ₹75,000 एवं ₹60,000 थी। वर्ष 2023 में लाभ पूंजी पर ब्याज काटने के पूर्व ₹1,19,250 था। लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

--***--

भाग -1 इकाई– 2

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन–साझेदार का प्रवेश

सही विकल्प चुनिये-

(I) ख्याति है–
(अ) एक चल सम्पत्ति (ब) एक स्थाई सम्पत्ति
(स) एक मूर्त सम्पत्ति (द) एक कृत्रिम सम्पत्ति

(II) फर्म के पुनर्गठन पर जिस साझेदार के लाभ का भाग पूर्व की तुलना में बढ़ जाता है उसे कहते हैं–
(अ) प्रभावपूर्ण साझेदार (ब) नफे वाला साझेदार
(स) त्याग करने वाला साझेदार (द) मुख्य साझेदार

(III) पुनर्मूल्यांकन का लाभ/हानि बांटा जाता है–
(अ) नए लाभ हानि अनुपात में (ब) प्राप्ति अनुपात में
(स) पुराने लाभ हानि अनुपात में (द) त्याग अनुपात में

(IV) नये साझेदार द्वारा ख्याति का भुगतान किया जाता है–
(अ) भावी लाभ में हिस्सा पाने के लिए (ब) पूंजी के भुगतान के लिए
(स) प्रवेश शुल्क भुगतान के लिए (द) सम्पत्तियों पर अधिकार के लिए

(V) साझेदारों के लाभानुपात में परिवर्तन पर संचितियों का विभाजन होता है–
(अ) पूर्व अनुपात में (ब) समान अनुपात में
(स) नये अनुपात में (द) पूंजी अनुपात में

(VI) विद्यमान साझेदारों के लाभानुपात में परिवर्तन का परिणाम है–
(अ) सभी साझेदारों के लाभानुपात में कमी (ब) सभी साझेदारों के लाभानुपात में वृद्धि
(स) त्यागी साझेदार के लाभानुपात में कमी (द) त्यागी साझेदार के लाभानुपात में वृद्धि

(VII) किसी नए साझेदार के प्रवेश के समय पुराने साझेदारों को क्या मिलता है?
(अ) ख्याति (ब) ब्याज
(स) वेतन (द) लाभांश

(VIII) नए साझेदार की पूंजी, पूँजी खाता में जमा करने के बाद किस खाते में वृद्धि होती है?

(अ) चालू खाता (ब) लाभ और हानि खाता

(स) पुनर्मूल्यांकन खाता (द) रोकड़ खाता

(IX) एक नए साझेदार के शामिल होने पर :

(अ) पुरानी फर्म भंग हो जाती है

(ब) पुरानी साझेदारी भंग हो जाती है

(स) पुरानी साझेदारी और फर्म दोनों भंग हो जाते हैं

(द) न तो साझेदारी और न ही फर्म भंग होती है

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) ख्याति लाभ कमाने में _____ होती है।

(II) ख्याति पर _____ नहीं लगाया जाता है।

(III) ख्याति का वास्तविक मूल्य व्यवसाय के _____ के समय ही ज्ञात हो सकता है।

(IV) साझेदारी ठहराव में परिवर्तन साझेदारी फर्म का _____कहलाता है।

(V) _____ = पुराना अनुपात – नया अनुपात ।

(VI) नया अनुपात – पुराना अनुपात = _____ ।

(VII) पुनर्मूल्यांकन पर होने वाले लाभ/हानि से_____साझेदार का कोई संबंध नहीं होता है।

सही जोड़ियाँ बनाइये –

A	**'अ'**	**'ब'**
(I)	ख्याति	(अ) पूंजी खाते के डेबिट पक्ष में
(II)	पुनर्मूल्यांकन की हानि	(ब) लेखांकन प्रमाप- 26
(III)	फर्म का पुनर्गठन	(स) पूंजी खाते के क्रेडिट पक्ष में
(IV)	ख्याति का लेखांकन	(द) विक्रय योग्य सम्पत्ति
(V)	पुनर्मूल्यांकन पर लाभ बनाना	(ई) साझेदारी ठहराव में परिवर्तन

B	**'अ'**	**'ब'**
(I)	त्याग अनुपात बराबर	(अ) पुनर्मूल्यांकन खाता डेबिट
(II)	सामान्य लाभ	(ब) नए साझेदार के प्रवेश पर
(III)	संपत्ति के मूल्य में वृद्धि	(स) पुनर्मूल्यांकन खाता क्रेडिट
(IV)	दायित्व के मूल्य में वृद्धि	(द) लाभ प्राप्ति अनुपात
(V)	पुनर्मूल्यांकन खाता	(ई) विनियोजित पूंजी पर

सत्य / असत्य में उत्तर लिखिए -

(I) त्याग के अनुपात की दशा में साझेदार को पूर्व की तुलना में लाभ होता है।

(II) एक अच्छी फर्म ख्याति को अपलिखित कर देती है।

(III) लाभार्जन में परिवर्तन का ख्याति के मूल्य पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

(IV) पुनर्गठन की दशा में विद्यमान ठहराव में परिवर्तन हो जाता है।

(V) पुनर्मूल्यांकन खाता सम्पत्ति के विक्रय पर बनाया जाता हैं।

(VI) नये साझेदार का प्रवेश फर्म के पुनर्गठन को प्रभावित करेगा।

(VII) लाभ में हिस्सा पाना नए साझेदार का प्रमुख अधिकार है।

एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(i) जब ख्याति की राशि नगद लाई जाती है तो उसे किस खाते में जमा (क्रेडिट) करते हैं।
(ii) ख्याति मूल्यवान सम्पत्ति कब कही जाती है?
(iii) ख्याति के मूल्यांकन का आधार क्या है?
(iv) कौन सी ख्याति का लेखा पुस्तकों में नहीं किया जाता?
(v) वास्तविक औसत लाभ का सामान्य लाभ पर आधिक्य क्या कहलाता है?
(vi) जिस सम्पत्ति को देखा या स्पर्श नहीं किया जा सकता उसे क्या कहते हैं?
(vii) पुनर्मूल्यांकन खाता किस प्रकृति का खाता है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन से क्या आशय है?
2. ख्याति का अर्थ लिखिए।
3. गुप्त ख्याति किसे कहते हैं?
4. औसत लाभ से क्या आशय है?
5. अधिलाभ से क्या आशय है?
6. सामान्य लाभ किसे कहते हैं?
7. ख्याति मूल्यांकन की पूंजीकरण विधि के सूत्र लिखिए।
8. नए लाभ विभाजन अनुपात क्या है?
9. पुर्नमूल्यांकन खाता क्या है?
10. नए साझेदार के प्रवेश से क्या आशय है?
11. नए साझेदार की वैधानिक स्थिति को समझाइए।
12. A और B एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ-हानि 3:2 के अनुपात में बाँटते हैं। एक नया साझेदार C को शामिल किया जाता है। A अपने लाभ का 1/15 हिस्सा C के पक्ष में छोड़ता है और B अपने लाभ का 2/15 हिस्सा C के पक्ष में छोड़ता है। नया अनुपात क्या होगा?
13. अजय तथा विजय 3 : 2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। उन्होंने संजय को 1/5 भाग का साझेदार बनाया । जो अपना हिस्सा अजय तथा विजय से बराबर प्राप्त करता है। नया अनुपात ज्ञात कीजिए।
14. रानू ,भानू और शानू समान अनुपात में साझेदार है। वे भविष्य में लाभ/हानि 3:2:1 के अनुपात में बांटने का निर्णय करते हैं। लाभ प्राप्ति और त्याग अनुपात की गणना कीजिए।
15. A, B, C तथा D एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभों को समान अनुपात में बाँटते हैं। वे भविष्य में लाभों को 5:4:3:2 के अनुपात में बाँटने का निर्णय लेते हैं। साझेदारों के त्याग अनुपात तथा लाभ प्राप्ति अनुपात ज्ञात कीजिए।
16. A, B तथा C एक फर्म के साझेदार थे जो लाभ-हानि को 4:3:2 के अनुपात में बाँटते थे। उन्होंने भविष्य में लाभ-हानि को 2:2:1 के अनुपात में बाँटने का निर्णय लिया। लाभ-विभाजन अनुपात में परिवर्तन के परिणामस्वरूप प्रत्येक साझेदार का लाभ-प्राप्ति तथा त्याग का अनुपात ज्ञात करें।

लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)

1. ख्याति की कोई 3 विशेषताएं लिखिए।
2. ख्याति की प्रकृति समझाइए।
3. सामान्य लाभ और अधिलाभ में कोई 3 अंतर लिखिए।
4. नए साझेदार की वैधानिक स्थिति को समझाइए।
5. नए साझेदार के कोई 3 अधिकार लिखिए।
6. एक फर्म का पांच वर्षों का लाभ इस प्रकार है - वर्ष 2019 ₹4,00,000; वर्ष 2020 ₹3,98,000; वर्ष 2021 ₹4,50,000; वर्ष 2022 ₹ 4,45,000 और वर्ष 2023

₹5,00,000 । 5 साल के औसत लाभों के 4 वर्षों के क्रय के आधार पर फर्म की ख्याति की गणना कीजिए ।

7. एक फर्म का औसत लाभ ₹66000 है और पूंजीकरण की दर 12% है । फर्म की विविध सम्पत्तियां और दायित्व क्रमशः ₹750000 व ₹350000 हैं। ख्याति की गणना कीजिए।
8. एक फर्म की पूंजी ₹600000 है, फर्म का औसत लाभ ₹60000 है ऐसे व्यापार पर 7.5% आय अपेक्षित है। अधिलाभ के पूंजीकरण मूल्य के आधार पर ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।
9. अभिषेक और अभिनव एक फर्म में बराबर के साझेदार हैं। उन्होंने अरविंद को 1/3 भाग के लिए साझेदार बनाया, जो पूंजी के ₹40000 देता है किन्तु अपने हिस्से की ₹12000 ख्याति लाने में असमर्थ है। अरविंद के प्रवेश पर आवश्यक नकल प्रविष्टियां कीजिए।
10. सचिन और विराट 2 :1 के अनुपात में साझेदार है। उनकी पूंजी क्रमश: ₹40000 एवं ₹20000 है उन्होंने 1 जनवरी 2021 को धोनी को 1/4 भाग के लिए साझेदार बनाया जिसे वह सचिन और विराट से 3:2 के अनुपात में प्राप्त करता है। धोनी ₹30000 पूंजी तथा ₹15000 ख्याति के लिए लाता है। आवश्यक नकल प्रविष्टियां कीजिए।
11. लव और कुश एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ/हानि को 3:2 के अनुपात में बांटते हैं वे भविष्य में लाभ/हानि को समान अनुपात में बांटने का निश्चय करते हैं इस उद्देश्य हेतु ख्याति का मूल्यांकन ₹1,20,000 किया गया। उपरोक्त व्यवस्था के लिए आवश्यक नकल प्रविष्टि कीजिए।
12. अरुण और वरुण साझेदार है जिनकी पूंजी क्रमशः ₹8000 और ₹4000 है। वे तरुण को इस शर्त पर साझेदार बनाते हैं कि वो अपने भाग की ख्याति की प्रीमियम राशि ₹1500 और अपने हिस्से की यथेष्ट पूंजी नकद देगा जो समस्त साझेदारों की संयुक्त पूंजी की 1/3 होगी। तरुण की पूंजी ज्ञात कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. ख्याति उत्पन्न होने के कोई 4 कारण लिखिए।
2. ख्याति मूल्यांकन की विधियों को समझाइए।
3. औसत लाभ और अधिलाभ में कोई 4 अंतर लिखिए।
4. साझेदारी फर्म का पुनर्गठन किन दशाओं में होता है? समझाइए।
5. त्याग अनुपात और लाभ प्राप्ति अनुपात में कोई 4 अंतर लिखिए।
6. साझेदारी फर्म में ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता को समझाइए।
7. लेखांकन प्रमाप 26 के अनुसार ख्याति के लेखांकन की विधि का वर्णन कीजिए।
8. साझेदारी फर्म में नए साझेदार की आवश्यकता किन दशाओं में होती है? समझाइए।
9. दिनेश, रमेश और सुरेश एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ और हानि 3:3:2 के अनुपात में साझा करते हैं, उन्होंने 31 मार्च 2024 से लाभ को समान रूप से बाँटने का निर्णय लिया। 31 मार्च 2024 को उनका तुलन पत्र इस प्रकार था -

देनदारियाँ	राशि (₹)	संपत्ति	राशि(₹)
विविध लेनदार	1,50,000	बैंक में रोकड़	40,000
सामान्य संचय	80,000	प्राप्य बिल	50,000
साझेदारों का ऋण– दिनेश 40,000 रमेश 30,000	70,000	विविध देनदार	60,000
साझेदारों की पूंजी: दिनेश 1,00,000 रमेश 80,000 सुरेश 70,000	2,50,000	स्टॉक	1,20,000
		अचल संपत्ति	2,80,000
	5,50,000		**5,50,000**

यह भी निर्णय लिया गया कि:

(I) अचल संपत्तियों का मूल्य ₹3,31,000 होगा ।

(II) संदिग्ध ऋणों पर विविध देनदारों पर 5% का प्रावधान किया जाए।

(III) इस तिथि पर फर्म की ख्याति पिछले पाँच वर्षों का औसत शुद्ध लाभ के $4\frac{1}{2}$ वर्ष के क्रय मूल्य पर होगी जो क्रमशः ₹14,000; ₹17,000; ₹ 20,000; ₹22,000 और ₹27,000 है।

(IV) स्टॉक का मूल्य ₹1,12,000 तक कम हुआ ।

(V) ख्याति को पुस्तकों में प्रदर्शित नहीं किया जाना था।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए ।

10. बसंत और विष्णु का निम्नलिखित चिट्ठा है-

दायित्व	राशि(₹)	सम्पत्ति	राशि (₹)
पूंजी– बसंत 12000 विष्णु 13000 लेनदार देय विपत्र	 25000 21000 15000	भवन उपस्कर देनदार बैंक शेष रोकड़	25000 4000 12000 15000 5000
	61000		61000

निम्न शर्तों पर उन्होंने विवेक को साझेदारी में प्रवेश दिया

(i) विवेक 1/4 भाग के लिए ₹15000 पूंजी के लाएगा

(ii) ख्याति का मूल्यांकन ₹14000 किया गया

(iii) देनदार पर 5% संचिति का निर्माण किया जाएगा

(iv) भवन एवं उपस्कर पर 5% ह्रास काटा जाएगा

पुनर्मूल्यांकन खाता बनाईए ।

____**____**

भाग 1 – इकाई-3
साझेदार की निवृत्ति एवं मृत्यु

सही विकल्प चुनिये–

(I) मृत साझेदार के उत्तराधिकारी को देय राशि का भुगतान न करने पर कितनी वार्षिक दर से ब्याज देना पड़ता है-

(अ) 10 प्रतिशत (ब) 6 प्रतिशत

(स) 5 प्रतिशत (द) 8 प्रतिशत

(II) साझेदार के अवकाश ग्रहण पर प्रविष्टि की जाती है-

(अ) अन्य साझेदारों के पूंजी खाते डेबिट, अवकाश ग्रहित साझेदार का पूंजी खाता क्रेडिट

(ब) अवकाश ग्रहित साझेदार का पूंजी खाता डेबिट, अन्य साझेदारों के पूंजी खाते क्रेडिट

(स) अन्य साझेदारों के पूंजी खाते डेबिट, लाभ और हानि खाता क्रेडिट

(द) लाभ और हानि खाता डेबिट, अन्य साझेदारों के पूंजी खाते क्रेडिट

(III) साझेदार के अवकाश ग्रहण पर नया साझेदारी समझौता क्यों आवश्यक है-

(अ) पिछले समझौते को अमान्य करने के लिए

(ब) नए लाभ और हानि के अनुपात को तय करने के लिए

(स) फर्म का नाम बदलने के लिए

(द) फर्म के मुख्यालय को बदलने के लिए

(IV) आन्तरिक कोष इनमें से नहीं है-

(अ) सामान्य संचय (ब) पूँजी संचय

(स) कर्मचारी दुर्घटना कोष (द) कर्मचारियों का बचत खाता

(V) अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को पाने का अधिकार होता है-

(अ) ख्याति का भाग का भाग (ब) अविभाजित लाभ में हिस्सा

(स) पूँजी पर ब्याज (द) उपरोक्त सभी

(VI) संचय की सम्पूर्ण राशि को वितरित करने पर-

(अ) संचय खाते को Dr. (ब) संचय खाते को Cr.

(स) साझेदारो के पूँजी खाते को Dr. (द) उपरोक्त कोई नहीं

(VII) अविभाजित लाभ का विभाजन करते समय कौन सा खाता नामे किया जाता है -

(अ) लाभ हानि खातों के नाम (ब) समस्त साझेदारों के पूँजी खाते नाम

(स) समस्त साझेदारों के चालू खाते नाम (द) उपरोक्त सभी

(VIII) समझौते के अनुसार अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार को उसके ऋण पर ब्याज देने के स्थान पर लाभ का कुछ अंश दिया जाता है ऐस दशा में-

(अ) ब्याज की प्रविष्टि की जाती है (ब) ब्याज की प्रविष्टि नहीं की जाती है

(स) लाभांश की प्रविष्टि की जाती है (द) उपरोक्त से कोई नहीं

(IX) एक साझेदार के अवकाश ग्रहण करने के समय अलिखित सम्पत्तियों का व्यवहार किस प्रकार किया जाता है?

(अ) पुनर्मूल्यांकन खाता को क्रेडिट

(B) सिर्फ अवकाश ग्रहण करने वाले साझेदार के पूँजी खाता को क्रेडिट

(स) पुनर्मूल्यांकन खाता को डेबिट

(द) साझेदारों के पूँजी खाते को जमा

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

(I) अवकाश ग्रहण के समय पूर्नमूल्यांकन से होने वाली हानि सभी साझेदारो के पूँजी खाते के .....में लिखी जाती है।

(II) साझेदार के अवकाश पर यदि ख्याति खाता खोला गया हो तो उसे अपलिखित करने के लिये शेष साझेदारों के पूँजी खाते.....अनुपात में .....किये जाएगें।

(III) साझेदारी फर्म के किसी साझेदार की मृत्यु होने पर, उसके हिस्से का ..... करना पड़ता है।

(IV) यदि कोई साझेदार अवकाश ग्रहण करता है, तो फर्म की जिम्मेदारियों के प्रति उसका दायित्व..... हो जाता है।

(V) साझेदारी फर्म के किसी साझेदार की मृत्यु होने पर, ख्याति की गणना ..... के आधार पर की जाती है।

(VI) संचय का हस्तांतरण ---------- खाते में किया जाता है।

सत्य / असत्य उत्तर लिखिए –

(I) A B और C क्रमश 3: 2: 1: के साझेदार है। B निवृत होता है। A तथा C का नया अनुपात 3: 2 होगा।

(II) ऐच्छिक साझेदारी के अनुसार एक साझेदार शेष सभी साझेदारों की इच्छा से निवृत हो सकता है।

(III) ख्याति की राशि पर निवृत्त साझेदार का कोई अधिकार नहीं होता है।

(IV) जब साझेदार अवकाश ग्रहण करता है तो उसे उस वित्तीय वर्ष के सम्पूर्ण लाभ में हिस्सा मिलता है।

(V) विद्यमान साझेदार जिस अनुपात में मृत साझेदार से भाग प्राप्त करते हैं, वह त्याग अनुपात कहलाता है।

(VI) यदि साझेदार वर्ष के मध्य में अवकाश ग्रहण करता है तो तुलन पत्र उसी दिन तैयार किया जाता है।

एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) जब एक साझेदार अपने को साझेदारी से अलग करता है तो ऐसी स्थिति जानी जाती है।

(II) मृत साझेदार की देय राशि का भुगतान किसे किया जाता है।

(III) अविभाजनीय कोष क्या होता है?

(IV) साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर सभी समायोजन के उपरांत उसे देय राशि से अधिक राशि का भुगतान होता है तो अतिरिक्त राशि क्या कहलाती है?

(V) साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर विद्यमान ख्याति अपलिखित करने की प्रविष्टि लिखिए ।

(VI) यदि सेवा निवृत्त साझेदार को उसके भाग का भुगतान नहीं किया जाता है तो इसे किस खाते में अंतरित किया जाता है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. साझेदार की निवृत्ति से क्या आशय है ?
2. उत्तराधिकारी से क्या आशय है?
3. निवृत्त साझेदार के ऋण खाते से क्या आशय है?
4. जब साझेदार अवकाश ग्रहण करता है तो हिसाब सम्बंधी दो समस्यायें बताइये।
5. निवृत्त साझेदार को देय राशि के भुगतान की दो पद्धति के नाम बताइये।
6. किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अलग हो सकता है।
7. संचय की सम्पूर्ण राशि को वितरित करने पर नकल प्रविष्टि कीजिए।
8. आन्तरिक कोष के दो मदें लिखिए।
9. साझेदार की निवृत्ति पर ख्याति के लेखांकन हेतु नकल प्रविष्टि कीजिए।
10. स्वाति , पूजा और श्वेता 1/2 : 1/3 : 1/6 के अनुपात में लाभ – हानि बाँटते हैं। यदि श्वेता व्यापार से अलग होती है, तो स्वाति और पूजा का नया लाभानुपात क्या होगा?
11. A,B औरC एक फर्म में साझेदार है और लाभ-हानि 1/2 : 3/10 : 1/5 के अनुपात में बॉटते है । A फर्म से अवकाश ग्रहण करता है और उसका हिस्सा B औरC ने 2:1 के अनुपात में ले लिया । साझेदारों का नया लाभ विभाजन अनुपात निकालिए।
12. X,Yऔर Z एक फर्म में 1 / 2 : 1/ 3 : 1 / 6 के अनुपात में साझेदार हैं। Z व्यापार से अवकाश ग्रहण करता है और X तथा Y उसका लाभांश 3 : 2 में क्रय करते हैं। नया अनुपात ज्ञात कीजिए।
13. रमन , अमन और नमन एक फर्म में साझेदार है । उनके लाभलाभ अनुपात 4 : 3 : 2 है । 31 मार्च 2018 को अमन की मृत्यु हो जाती है। अमन की मृत्यु के पश्चात शेष साझेदारों के लाभलाभ अनुपात क्या होंगे।
14. जया , पायल और मल्लिका अपनी पूँजी के अनुपात में लाभालाभ विभाजन करने वाली साझेदार है। उनकी पूँजी क्रमश: ₹20,000,₹15,000 और ₹10,000 थी। पायल व्यापार से निवृत होती है। जया और मल्लिका भविष्य में 5/8 और 3/8 के अनुपात में लाभ का विभाजन करेंगी । उनके लाभाश प्राप्ति के अनुपात की गणना कीजिए ।
15. X,Yऔर Z साझेदार है, जो कि लाभों को 4 : 3 : 1 के अनुपात में बॉंटते हैं। Y की मृत्यु हो जाती है। X और Z भविष्य में लाभों को 2 : 1 के अनुपात में बॉंटने का निश्चय करते हैं। लाभ प्राप्ति अनुपात की गणना कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. रवि, सोम और मंगल 2:3:5 के अनुपात में लाभ-हानि बांटते हैं। उनका चिट्ठा 31 दिसम्बर 2018 को निम्नांकित है –

चिट्ठा

दायित्व		रकम₹	सम्पत्तियां	रकम₹
सामान्य संचय		18,000	भवन	40,000
लेनदार		12,000	फर्नीचर	20,000
पूंजी			देनदार	15,000
रवि	20,000		रोकड़	9,000
सोम	18,000			
मंगल	16,000	54,000		
		84,000		**84,000**

1 जनवरी, 2019 को मंगल अवकाश ग्रहण करता है। निम्नांकित बिन्दुओं को ध्यान में रखकर लाभ-हानि समायोजन खाता बनाइए- (1) भवन व फर्नीचर में 5% वृद्धि, (2) देनदारों पर पर 10% अशोध्य ऋण संचय, (3) लेनदारों पर 5% कटौती, (4) वैधानिक व्यय हेतु प्रावधान ₹200

2. A,B और C एक फर्म में साझेदार हैं। वे 4: 3: 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते है । A फर्म से अवकाश ग्रहण करता है। उस दिन फर्म का चिट्ठा निम्न था –

चिट्ठा

दायित्व	**रकम**₹	**सम्पत्तियां**	**रकम** ₹
बैंक अधिविकर्ष	4,000	रोकड़ शेष	1,000
विविध लेनदार	9,000	विविध देनदार	10,000
कर्मचारियों का दुर्घटना कोष	15,000	स्टॉक	16,000
पूँजी खाते-		मोटर कार	8,000
A-27,000		फर्नीचर	1,000
B-24,000		प्लाण्टऔर मशीन	20,000
C-13,000		भूमि और कारखाना	36,000
	64,000		
	92,000		**92,000**

A के अवकाश ग्रहण पर निम्नलिखित समायोजन किए गए –

(1) देनदारों पर 10 प्रतिशत डूबत ऋण संचित किया गया।

(2) भूमि और कारखाना ₹66,000 प्लाण्ट और मशीनरी ₹80,000 फर्नीचर ₹3,000 मोटर कार ₹11,000 और स्टॉक ₹21,000 पर पुनर्मूल्यांकित किए गए।

(3) ख्याति का मूल्यांकन गत तीन वर्षों के औसत लाभ के द्वि-वर्षीय क्रय पर किया गया। पिछले तीन वर्षों के लाभ क्रमश: ₹35,000, ₹40,000 और ₹60,000 थे।

पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार कीजिए।

3. अमन, आशीष और नमीष साझेदार थे, जो लाभों को क्रमश: 5 : 3 : 2 के अनुपात में बॉटते थे। पुस्तकों में ख्याति नहीं दिखाई जाती , परन्तु यह सहमति हुई कि इसका मूल्यांकन ₹50,000 होगा। अमन फर्म से अवकाश ग्रहण करता है तथा आशीष और नमीष ने निश्चित किया कि भविष्य में लाभों को समान बॉटेंगे। ख्याति के लिए समायोजन प्रविष्टि कीजिए। अपनी गणना स्पष्ट रूप से दर्शाइए।

4. अ ,ब और स साझेदार हैं, जो लाभों को 2:3:5 के अनुपात में बॉटते है। उनकी पुस्तकों में पहले से ही ₹1,00,000 से एक ख्याति खाता विद्यमान है। ब अवकाश ग्रहण करता है और ब के अवकाश ग्रहण करने के दिन ख्याति का मूल्यांकन ₹90,000 पर किया गया। अ और स ने भविष्य में लाभ समान अनुपात में बाँटने का निर्णय किया । आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।
5. किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अवकाश ग्रहण कर सकता है? किन्ही 4 दशाओं का वर्णन कीजिए।
6. किसी साझेदार की मृत्यु हो जाने पर उसके कानूनी उत्तराधिकारी को देय राशि की गणना आप किस प्रकार करेंगे?
7. अवकाश प्राप्त साझेदार को दी जाने वाली राशि का भुगतान किन विधियों से किया जा सकता है?
8. फर्म से निवृत्त होने वाले साझेदार को दी जाने राशि की गणना किस प्रकार की जाती है?

___**___**

भाग 1 – इकाई-5
साझेदारी फर्म का विघटन

सही विकल्प चुनिये-

(I) वसूली खाता है –
(अ) व्यक्तिगत खाता (ब) नाममात्र का खाता
(स) साझेदारों का खाता (द) वास्तविक खाता

(II) फर्म के विघटन पर साझेदार के ऋण को अंतरित किया जाता है –
(अ) वसूली खाते में (ब) साझेदार के पूंजी खाते में
(स) लाभ हानी समायोजन खाते में (द) रोकड़ खाते में

(III) फर्म का आकस्मिक या संयोगिक विघटन होगा यदि –
(अ) सभी साझेदार दिवालिया हो जाएँ
(ब) एक को छोड़कर सभी साझेदार दिवालिया हो जाएँ
(स) फर्म का व्यवसाय अवैध हो जाए
(द) कोई एक साझेदार दिवालिया हो जाए

(IV) फर्म के विघटन पर अशोध्य ऋण संचय खाते का शेष हस्तान्तरित किया जाता है-
(अ) सामान्य संचय खाते में (ब) देनदार खाते में
(स) वसूली खाते में (द) साझेदारों के पूँजी खाते में

(V) साझेदारी फर्म के विघटन के समय ख्याति के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है-
(अ) कहीं दर्ज नहीं
(ब) वसूली खाते में दर्ज
(स) साझेदारों के बीच पुराने अनुपात में वितरण
(द) साझेदारों के बीच समान अनुपात में वितरण

(VI) फर्म के विघटन की प्रक्रिया के अंत में कौन सा खाता तैयार किया जाता है-
(अ) वसूली खाता (ब) साझेदार के पूंजी खाते
(स) बैंक खाता (द) पुनर्मूल्यांकन खाता

(VII) एक फर्म के समापन पर, एक गैर-अभिलेखित परिसंपत्ति से प्राप्त राशि को किसमें स्थानांतरित किया जाता है?
(अ) पुनर्मूल्यांकन खाते में (ब) वसूली खाते में
(स) साझेदारों के पूँजी खातों में (द) रोकड़ खाते के जमा पक्ष में

(VIII) यदि फर्म के विघटन पर, साझेदार स्वेच्छा से फर्म के लेनदारों को भुगतान के रूप में अपनी व्यक्तिगत संपत्ति देता है, तो जमा किया गया खाता होगा-

(अ) वसूली खाता (ब) साझेदार का पूंजी खाता

(स) बैंक खाता (द) कोई नहीं

(IX) रोहन, मोहन और सोहन साझेदार थे और समान रूप से लाभ बाँटते थे। साझेदारी फर्म के विघटन के समय रोहन का ऋण होगा-

(अ) रोहन के पूंजी खाते में डेबिट (ब) वसूली खाते में डेबिट

(स) वसूली खाता जमा (द) बैंक खाता जमा

(X) अलिखित संपत्ति के विक्रय से प्राप्त राशि लिखी जाती है -

(अ) साझेदारों के पूंजी खाते में (ब) वसूली खाते में

(स) लाभ हानी समायोजन खाते में (द) संपत्ति खाते में

(XI) निम्नलिखित में से किसे वसूली खाते में अंतरित किया जाता है -

(अ) साझेदार का ऋण (ब) अविभाजित लाभ

(स) बैंक अधिविकर्ष (द) रोकड़

(XII) निम्नलिखित में से किसे वसूली खाते में अंतरित **नहीं** किया जाता है -

(अ) डूबत ऋण संचिति (ब) बैंक अधिविकर्ष

(स) विनियोग उच्चावचान कोष (द) रोकड़ व बैंक शेष

(XIII) लेनदार और देय विपत्रों जैसे दायित्वों को वसूली खाते में अंतरित करने के पश्चात भुगतान की सूचना के अभाव में ऐसे दायित्वों का-

(अ) भुगतान नहीं होगा

(ब) पूर्ण भुगतान होगा

(स) आंशिक भुगतान होगा

(द) वसूली पर लाभ होने पर ही भुगतान होगा

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये -

(I) फर्म के विघटन पर बाहरी दायित्वों को ..... खाते में अंतरित करते हैं।

(II) वसूली खाते का शेष ..... साझेदारों में बांटा जाता है।

(III) फर्म के विघटन के पश्चात साझेदार स्वयं का ..... कर सकते हैं।

(IV) निश्चित अवधि जिसके लिए साझेदारी की गयी थी, व्यतीत हो जाने पर फर्म का ..... विघटन होता है।

(V) फर्म का व्यापार अवैध हो जाने पर फर्म का ..... विघटन होता है।

(VI) फर्म का कोई साझेदार वैधानिक रूप से दिवालिया हो जाए तो फर्म का ..... विघटन होता है।

(VII) फर्म के विघटन पर हिसाब की पुस्तकों को ..... कर दिया जाता है।

सत्य / असत्य में उत्तर लिखिए -

(i) वसूली खाता फर्म के जीवन में अनेक बार बनाया जा सकता है।

(ii) फर्म के विघटन पर सर्वप्रथम बाहरी दायित्वों का भुगतान किया जाता है।

(iii) बैंक अधिविकर्ष को वसूली खाते में अंतरित नहीं किया जाता है।

(iv) वसूली खाता वास्तविक प्रकृति का खाता होता है।

(v) फर्म के विघटन पर अलिखित संपत्ति से प्राप्ति को वसूली खाते में जमा किया जाता है।

(vi) फर्म के विघटन पर पुनर्मूल्यांकन खाता बनाया जाता है।

(vii) ऐच्छिक साझेदारी का विघटन साझेदारों द्वारा एक दूसरे को लिखित सूचना देकर किया जा सकता है।

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. वसूली खाते से क्या आशय है?
2. साझेदारी फ़र्म के विघटन से क्या आशय है?
3. साझेदारी के विघटन से आशय लिखिए।
4. फर्म के विघटन पर चिट्ठे से वसूली खाते में किन खातों को अंतरित नहीं किया जाता है?
5. फर्म के विघटन पर बनाए जाने वाले खातों के नाम दीजिये।
6. फर्म के संयोगिक विघटन की दशाएँ लिखिए।
7. फर्म के समापन का क्या प्रभाव होता है?
8. फर्म का समझौते द्वारा समापन से क्या आशय है?
9. फर्म के विघटन पर परिसंपत्तियों के वसूली खाते में अंतरण पर क्या जर्नल प्रविष्टि की जाती है?
10. फर्म के विघटन पर बाहरी दायित्वों के वसूली खाते में अंतरण पर क्या जर्नल प्रविष्टि की जाती है?
11. फर्म के विघटन पर एक अलिखित संपत्ति ₹10000 की एक साझेदार "अ" ने ली, इसके संबंध में वसूली खाते और साझेदारों के पूंजी खाते में कहाँ और क्या लेखा होगा?
12. ऐच्छिक साझेदारी का विघटन कैसे किया जा सकता है?
13. फर्म के विघटन पर दायित्वों के भुगतान का क्रम बताइये।
14. क्या होगा यदि फर्म के विघटन पर कोई साझेदार स्वयं की पूंजी की कमी के भुगतान में असमर्थ हो?
15. वसूली खाते का काल्पनिक प्रारूप दीजिये।

लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)

1. वसूली खाते और पुनर्मूल्यांकन खाते में कोई 3 अंतर लिखिए।
2. साझेदारी के विघटन और साझेदारी फर्म के विघटन में कोई 3 अंतर लिखिए।
3. साझेदारी के आकस्मिक विघटन और अनिवार्य विघटन में कोई 3 अंतर लिखिए।
4. फर्म के विघटन की कोई 3 रीतियों को समझाइए।
5. फर्म के विघटन पर साझेदारी अधिनियम के अनुसार हिसाब किताब का निबटारा करने के लिए परिसंपत्तियों का किस क्रम में उपयोग किया जा सकता है?
6. फर्म के सभी साझेदारों ने फर्म के विघटन की इच्छा व्यक्त की। मोहन एक साझेदार है जो अपने ₹20000 के ऋण को साझेदारों की पूंजी भुगतान से पहले भुगतान चाहता है। लेकिन सोहन एक अन्य साझेदार है जो पूँजी का भुगतान मोहन के ऋण के भुगतान के पहले चाहता है । कारण बताते हुए विघटन हेतु सुझाव दीजिये।
7. एक फर्म (जिसमें राम और श्याम बराबर के साझेदार थे) के विघटन के समय उसकी वास्तविक संपत्तियों का योग ₹100000 और बाहरी दायित्वों का योग ₹30000 था संपत्तियों से ₹90000 प्राप्त हुये। वसूली खाता बनाइये।
8. किन दशाओं में न्यायालय फर्म के विघटन के लिए आदेश दे सकता है?
9. एक फर्म के विघटन पर साझेदार 'अ', 'ब' और 'स' की पूंजी खातों का शेष क्रमशः ₹20000, ₹15000 और ₹10000 था। वसूली से हानि ₹15000 थी और अवितरित संचय और कोष ₹21000 था। साझेदारों के पूंजी खाते बनाइये।

---****---

भाग 2 -इकाई-1
कम्पनी लेखे – अंश पूंजी के लिए लेखांकन

सही विकल्प चुनिये-

(I) निम्नलिखित में से किसे सामान्यत: मताधिकार प्राप्त है –
(अ) ऋणपत्रधारी (ब) समता अंशधारी
(स) पूर्वाधिकार अंशधारी (द) इनमें से कोई नहीं

(II) निम्नलिखित में से किसकी लाभांश की दर अनिश्चित है -
(अ) ऋणपत्रधारी (ब) समता अंशधारी
(स) पूर्वाधिकार अंशधारी (द) इनमें से कोई नहीं

(III) अंश धारी प्राप्त करते हैं –
(अ) ब्याज (ब) लाभांश
(स) कमीशन (द) इनमें से कोई नहीं

(IV) निजी कंपनी के अधिकतम सदस्यों की संख्या कितनी हो सकती है –
(अ) 20 (ब) 200
(स) 40 (द) 7

(V) एक कंपनी ने ₹10 वाले 10,000 अंश निर्गमित किए । जनता से 12,000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए,यह कहलाएगा –
(अ) याचना (ब) अति अभियान
(स) अल्प अभिदान (द) अवशिष्ट याचना

(VI) भारतीय कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार एक कंपनी निर्गत कर सकती है –
(अ) सिर्फ समता अंश (ब) सिर्फ पूर्वाधिकार अंश
(स) समता एवं पूर्वाधिकार अंश (द) इनमें से कोई नहीं

(VII) अंश आवेदन खाता है –
(अ) व्यक्तिगत खाता (ब) अव्यक्तिगत खाता
(स) वास्तविक खाता (द) नाममात्र का खाता

(VIII) सार्वजनिक कंपनी की न्यूनतम एवं अधिकतम सदस्य संख्या है –
(अ) 7 और 50 (ब) 10 और 20
(स) 7 और असीमित (द) निर्धारित नहीं

(IX) सार्वजनिक कंपनी द्वारा अंशों के विक्रय हेतु जारी किए जाने वाला प्रलेख है –
(अ) पार्षद सीमा नियम (ब) पार्षद अंतर नियम
(स) सारणी 'F' (द) प्रविवरण

(X) अवशिष्ट याचना पर सारणी 'F' के अनुसार ब्याज की दर होती है –
(अ) 6% वार्षिक (ब) 10% वार्षिक
(स) 8% वार्षिक (द) 5% वार्षिक

(XI) प्रतिभूति प्रीमियम है –
(अ) पूंजीगत लाभ (ब) आगमगत लाभ
(स) पूंजीगत हानि (द) आगमगत हानि

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये –

(I) कंपनी के समापन पर ..... अंशधारियों को पूंजी सबसे पहले लौटाई जाती है।

(II) .....कंपनी के वास्तविक स्वामी माने जाते हैं।

(III) जब निर्गमित किए गए अंशों की तुलना में अधिक आवेदन प्राप्त हो तो इसे .....कहते हैं।

(IV) कंपनी विधान द्वारा निर्मित एक.....है।

(V) प्रतिभूति प्रीमियम संचय का शेष कंपनी के चिट्ठे में .....की ओर दिखाया जाता है।

(VI) अंशो के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम, कंपनी का .....लाभ है।

(VII) अंश.....प्रकार के होते हैं।

(VIII) अंश आबंटन खाता .....खाता होता है।

सही जोड़ियाँ बनाइये –

A

'अ'	**'ब'**
(I) प्रार्थित पूँजी	(अ) जनता को अंश अभिदान के लिए प्रस्तावित पूँजी
(II) निर्गमित पूँजी	(ब) केवल समापन पर याचित पूँजी
(III) याचित पूँजी	(स) जनता द्वारा क्रय पूँजी
(IV) संचित पूँजी	(द) अंशधारियों से मांगी पूँजी

B

'अ'	**'ब'**
(I) न्यूनतम अभिदान	(अ) आनुपातिक आवंटन
(II) याचना राशि	(ब) आंतरिक प्रबंध संबधी नियम
(III) अति अभिदान	(स) कंपनी के स्वामी
(IV) समता अंशधारी	(द) कंपनी की आधारशिला
(V) पूर्वाधिकार अंश	(य) निर्गमित राशि का 90% से कम नहीं
(VI) पार्षद सीमा नियम	(र) अंकित मूल्य से 25% से अधिक नहीं
(VII) पार्षद अंतर्नियम	(ल) पूंजी वापसी की प्राथमिकता

सत्य / असत्य में उत्तर लिखिए -

(I) अंश स्कंध का कोई अंकित मूल्य नहीं होता।

(II) समता अंशधारियों को लाभ होने पर लाभांश देना अनिवार्य है।

(III) कंपनी में अंशधारियों का दायित्व असीमित होता है।

(IV) अंश प्रीमियम एक पूंजीगत लाभ है।

(V) एक सार्वजनिक कंपनी न्यूनतम अभिदान राशि प्राप्त किए बिना अंशों क आवंटन नहीं कर सकती है।

(VI) दो याचनाओं के मध्य न्यूनतम 2 माह का समय होना चाहिए।

(VII) अंशों की संपूर्ण राशि एक साथ प्राप्त की जा सकती है।

(VIII) अग्रिम याचना प्राप्त होने पर बैंक खाता डेबिट और अग्रिम याचना खाता क्रेडिट किया जाता है।

(IX) एक निजी कंपनी प्रविवरण जारी नहीं करती है।

(X) अंश प्रीमियम की राशि को चिट्ठे में ''संचय व अतिरेक'' शीर्षक के अंतर्गत प्रदर्शित किया जाता है।

एक शब्द / एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

(I) निर्गर्मित अंशों से कम के लिए आवेदन पत्र आए तो ऐसी स्थिति को क्या कहते हैं?

(II) कम्पनी की स्थापना करने वाले व्यक्ति को क्या कहते हैं?

(III) क्रय प्रतिफल –शुद्ध सम्पत्ति = ?

(IV) अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर अंशों का निर्गमन कहलाता है।

(V) जब अंशों का निर्गमन अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर किया जाए तो आधिक्य राशि क्या कहलाती है?

(VI) एक्स लिमिटेड ने ₹1,00,000 का एक भवन खरीदा। भुगतान में ₹100 वाले कितने समता अंश निर्गमित किए जायेंगे ?

(VII) अग्रिम मांग के संबंध में ब्याज की दर पर प्रतिबंध कम्पनी अधिनियम की किस सारणी द्वारा लगाया गया है?

अति लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 2 अंक)

1. अंश अधिपत्र से क्या तात्पर्य है?
2. अग्रिम याचना से क्या आशय है?
3. बकाया मांग से क्या अभिप्राय है?
4. अग्रिम मांग से क्या अभिप्राय है?
5. संचित पूंजी क्या होती है?
6. समता अंशों से क्या आशय है?
7. पूर्वाधिकार अंश किसे कहते हैं?
8. पार्षद सीमा नियम क्या है?
9. न्यूनतम अभिदान किसे कहते हैं?
10. स्कंध किसे कहते हैं?
11. कंपनी को परिभाषित कीजिए।
12. कंपनी शब्द का क्या अर्थ है?
13. "कंपनी विधान द्वारा निर्मित एक कृत्रिम व्यक्ति है।" समझाइए।

लघुउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 3 अंक)

1. समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंश में कोई 3 अंतर लिखिए ।
2. पार्षद सीमा नियम एवं पार्षद अंतर्नियम में कोई 3 अंतर लिखिए ।
3. अधिकृत पूंजी एवं चुकता पूंजी में कोई 3 अंतर लिखिए।
4. प्रविवरण के कोई 3 उद्देश्य बताइए।
5. अंशो की कोई 3 विशेषताएं लिखिए।
6. समता अंश की कोई 3 विशेषताएं लिखिए।
7. जेड लिमिटेड ने ₹10 वाले 30,000, 12% पूर्वाधिकार अंश जनता में निर्गर्मित किए। सम्पूर्ण राशि एकमुश्त प्राप्त हो गयी। जेड लिमिटेड की पुस्तकों में नकल प्रविष्टियां कीजिए।
8. एक कंपनी ने ₹10 वाले 25,000 जनता में निर्गमित किए। सभी राशियां एकमुश्त प्राप्त हो गई। आवश्यक पंजी प्रविष्टि कीजिए।
9. इन्दौर के अमन लिमिटेड ने ₹6,00,000 का एक भवन, भुवन ट्रेडर्स से खरीदा। उन्होंने ₹1,00,000 नकद दिए और शेष राशि के लिए ₹100 वाले 5000 समता अंश पूर्ण दत्त निर्गमित किए। कंपनी की बही में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 4 अंक)

1. अंशधारी और ऋणपत्रधारी में कोई 4 अंतर लिखिए ।
2. कम्पनी की किन्ही 4 विशेषताओं का वर्णन करिए।
3. पूर्वाधिकार अंश के कोई 4 प्रकार लिखिए ।

4. अंश एवं स्कंध में कोई 4 अंतर लिखिए ।
5. अवशिष्ट याचना और अग्रिम याचना में अंतर बताइए।
6. उन उद्देश्यों का वर्णन करें जिनके लिए कंपनी प्रतिभूति प्रीमियम की राशि का प्रयोग किया जा सकता है?
7. अ ब स लिमिटेड ने ₹100 वाले 5,000 अंश ₹10 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित किए जो इस प्रकार देय हैं - आवेदन पर ₹20, आवंटन पर ₹50 (प्रीमियम सहित) एवं याचना ₹40 प्रति अंश । कंपनी की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियां कीजिए।
8. गणेश लिमिटेड ने ₹100 प्रत्येक के 50,000 समता अंशों का निर्गमन किया जो ₹25 आवेदन पर ₹50 आवंटन पर एवं ₹25 प्रथम एवं अंतिम याचना पर देय हैं । सभी राशि विधिवत प्राप्त हो गई, इन व्यवहारों को कंपनी के रोजनामचे में अभिलिखित करें।
9. ललित ग्लास लिमिटेड में ₹100 प्रत्येक के 10,000 अंशों को ₹110 प्रति अंशों में निर्गमन किया, जिन पर ₹20 आवेदन पर ₹40 आवंटन पर (प्रीमियम सहित) ₹30 प्रथम याचना पर एवं ₹20 अंतिम याचना पर देय हैं। 12,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए एवं 10,000 अंशों का आवंटन किया गया और 2,000 अंशों को अस्वीकार कर, उन पर प्राप्त राशि लौटा दी गई। सभी राशि प्राप्त हो गई, आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

___**___**